PRESS CLIPPINGS

Date : 4th Sep 2014

ICFAI university Jharkhand Conduct National Seminar on Entrepreneurship on 3rd Sep 2014

इक्फाइ विवि में भारत में उन्मुक्त उद्यमशीलता विषय पर सेमिनार

छात्र अपनी असफलता का डर निकालें : डॉ आशिष

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

इक्फाइ विवि झारखंड में भारत में उन्मुक्त उद्यमशीलता : अवसर और चुनौतियां विषय पर बुधवार को राष्ट्रीय संगोष्ठी हुई. आइआइएम के डॉ आशिष हजेला ने कहा कि छात्र अपनी असफलता के डर को निकालें. अपने अंदर आत्मविश्वास लायें. तभी वह एक सफल उद्यमी बन सकते हैं.

विकास भारती के सचिव अशोक भगत ने ग्रामीण उद्यमिता पर ध्यान केंद्रित करते हुए कहा कि एंटरप्रेनर के सामने सबसे बड़ी चुनौती सही मानव संसाधन की उपलब्धता है. कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि बहुत सारे भारतीय एंटरप्रेनर ने विश्व स्तर के संगठनों के निर्माण में अपनी पहचान बनायी है. जैसे कि ऑटोमोटिव, आइटी, पेट्रोकेमिकल्स, इस्पात आदि. हालांकि शुरुआती दौर में काफी परेशानी होती है, जैसे कि बैंक, वित्त, बाजार पहुंच ढांचागत बाधा आदि. इन सभी कठिनाइयों की पहचान कर ली जाये, तो काफी इंटरप्रेनर ऊर्जा देश के लिए लायी जा सकती है.

संगोष्ठी में अक्षयलॉलिंग मिल्स के सीइओ अमित साह, सीटीआरआइ के निदेशक आलोक सहाय, चैंबर के अध्यक्ष विकास सिंह, नाबार्ड के डिप्टी जीएम राजीव महाजन,सफायर इंटरनेशनल स्कूल की मोहिता साहू, पड़ोसन मसाला की संस्थापक कविता यादव, ट्राइबल फैशन एपल्स के सीइओ रोशन ने नये उद्योगों को बढ़ावा देने में अपने अनुभवों को साझा किया. एक्सआइएसएस के डॉ विप्लव ठाकुर व रांची विवि के डॉ रमेश तकनीकी सत्र के अध्यक्ष रहे. इस अवसर पर उन्मुक्त उद्यमिता : अवसर और चुनौतियां विषयक पुस्तक जारी की गयी. कार्यक्रम में बेस्ट पेपर व पोस्टर व मॉडल प्रतियोगिता में जीत हासिल करनेवाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया. समापन सत्र में झारक्राफ्ट के प्रबंध निदेशक धीरेंद्र कुमार ने झारखंड में ग्रामीण उद्यमिता व झारक्राफ्ट के योगदान पर प्रकाश डाला.

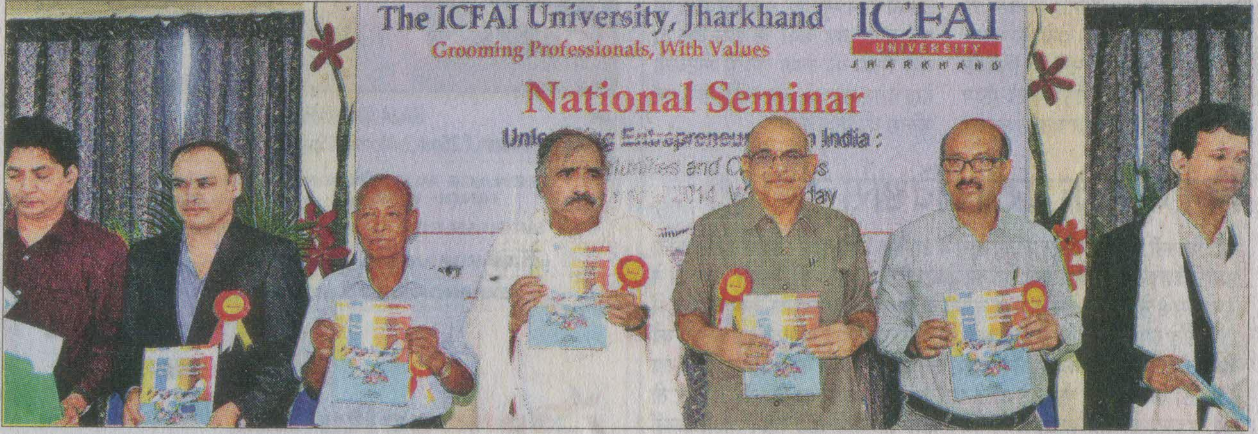

इक्फाइ विवि में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में शामिल अतिथि.

गुरुवार, 04 सितंबर 2014
हिन्दुस्तान 18

उद्योग के सामने मानव संसाधन की कमी : भगत

रांची | संवाददाता

बुधवार को इक्फाई विश्वविद्यालय में उद्यमिता पर आयोजित सेमिनार में स्मारिका का विमोचन किया गया। • हिन्दुस्तान

उद्यमिता के सामने आज जो सबसे बड़ी समस्या है वह है सही मानव संसाधन की कमी। यह कहना है विकास भारती के सचिव अशोक भगत का। वे बुधवार को इक्फाई विवि में उद्यमिता पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

संगोष्ठी का विषय था- भारत में उन्मुक्त उद्यमशिलताः अवसर और चुनौतियां। संगोष्ठी में व्यवसायी, बैंककर्मी, शिक्षाविद,शोधकर्ता और विद्यार्थियों ने भाग लिया।

प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि बहुत से भारतीय उद्यमियों ने विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनायी है। उद्योग लगाने की कठिनाईयों को अगर पहचान लिया जाये तो देश में उद्योग के लिए काफी बेहतर माहौल बन जायेगा। आइआइएम रांची के डॉ आशीष हजेला ने कहा कि छात्र असफलता की डर को अपने मन से निकालें तभी सफल उद्यमी बन सकते हैं।

झारक्राफ्ट के प्रबंध निदेशक धीरेन्द्र कुमार ने राज्य के ग्रामीण उद्यमिता पर प्रकाश डाला और झारक्राफ्ट के योगदान के बारे में बताया।

कार्यक्रम में अमित साह, चेंबर अध्यक्ष विकास सिंह, राजीव महाजन, मोहिता साहु, कविता यादव, रौशन ने अपनी बातों को रखा। संगोष्ठी में कुछ शोध पत्रों को भी रखा गया। कार्यक्रम में विवि के पदाधिकारी और विद्यार्थी उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर रांची. गुरुवार. 4 सितंबर, 2014 5

मानव मूल्यों का अहसास जरूरी है : भगत

इक्फाई विवि में भारत में उन्मुक्त उद्यमशीलता पर सेमिनार आयोजित

भास्कर संवाददाता | रांची

इक्फाई यूनिवर्सिटी में बुधवार को भारत में उन्मुक्त उद्यमशीलता : अवसर और चुनौतियां विषय पर सेमिनार हुआ। बतौर मुख्य अतिथि विकास भारती के सचिव अशोक भगत ने कहा कि सही मानव संसाधन की उपलब्धता और उनके मूल्यों का अहसास मुख्य चुनौतियां हैं। कुलपति प्रो. ओएस राव ने कहा कि भारतीय प्रतिभा की विश्व में अलग पहचान है। इसमें मुख्य रूप से ऑटोमेटिव, आईटी, पैट्रोकैमिकल्स, इस्पात आदि है। इसके अलावा भी कई समस्याएं हैं। बाजार तक पहुंच, ढांचागत बाधा आदि हैं। आईआईएम रांची के डॉ. आशीष हजेला ने कहा कि आत्मविश्वास से लक्ष्य प्राप्त करना आसान हो जाता है। इस अवसर पर अमित साह, डॉ. आलोक सहाय, विकास सिंह, राजीव महाजन, मोहिता साहू समेत अन्य ने विचार रखे। मौके पर उन्मुक्त उद्यमिता पुस्तक का भी विमोचन किया गया।

उन्मुक्त उद्यमिता पुस्तक का विमोचन करते अतिथि।

रांची, 4 सितंबर 2014 दैनिक जागरण

इक्फाई में संगोष्ठी

रांची : इक्फाई विवि में बुधवार को भारत में उन्मुक्त उद्यमशीलता : अवसर व चुनौतियां विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. आरएस राव ने कहा कि बहुत सारे भारतीय एंटरप्रेनरों ने विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। यहां बहुत सारी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। कठिनाईयों को पहचान कर अपनी ऊर्जा को देश के लिए लगाई जा सकती है। मौके पर अशोक भगत, आशीष हजेला आदि ने भी अपनी बात रखी।

hindustantimes | jharkhand | 03

HINDUSTAN TIMES, RANCHI
THURSDAY, SEPTEMBER 4, 2014

ICFAI UNIVERSITY ORGANISES SEMINAR ON BUDDING BIZMEN

HT Correspondent
htjharkhand@hindustantimes.com

RANCHI: ICFAI University on Wednesday organised a national seminar on 'Unleashing entrepreneurship in India - opportunities and challenges'. This was attended by entrepreneurs, industry personnel, bankers, academicians, researchers and students.

Welcoming the participants, vice chancellor ORS Rao said a number of Indian entrepreneurs made a mark for themselves by building world-class organisations in sectors like automobiles, IT, petrochemicals, pharmaceuticals, steel etc. "Yet, most of the entrepreneurs face hurdles, during the initial phase, like access to bank finance, market access, infrastructural constraints etc. If they can be addressed, a lot of entrepreneurial energy can be unleashed which can benefit the country," added Rao.

Vikas Bharati secretary Ashok Bhagat, who was the chief guest, said farming must get focus to address problems of unemployment and price rise. "Major challenges faced in rural entrepreneurship are availability of right human resources with good attitude and taking products to the market and realise remunerative prices", added Bhagat.

Dr Ashish Hajela from IIM Ranchi , who was the key note speaker, exhorted students to shed the fear of failure and have self-confidence so that they can become successful entrepreneurs.

Addressing the session, Dhirendra Kumar, managing director of Jharcraft, highlighted immense opportunities for rural entrepreneurs in Jharkhand and contribution of Jharcraft in harnessing the potential.

On that occasion a book on "unleashing entrepreneurship - opportunities and challenges" was released.

Best paper awards were given to the presenters of papers and students won poster and model competitions.

jharkhand 04

the pioneer

RANCHI | THURSDAY | SEPTEMBER 4, 2014

ICFAI holds seminar on entrepreneurship

PNS ■ RANCHI

ICFAI University, Jharkhand on Wednesday conducted a National Seminar on 'Unleashing Entrepreneurship in India - Opportunities and Challenges', which was attended by several successful entrepreneurs, industry personnel, banks, academicians, researchers and students.

Welcoming the participants, Professor ORS Rao, Vice Chancellor of the University said that a number of Indian entrepreneurs made a mark for themselves by building World Class organisations in sectors like Automotive, IT, Petrochemicals, Pharmaceuticals, Steel etc.

"Yet, most of the entrepreneurs face hurdles, during the initial phase, like access to bank finance, market access, infrastructural constraints etc. If they can be addressed, a lot of entrepreneurial energy can be unleashed, which can benefit the country," he added.

Ashok Bhagat, Secretary of Vikas Bharati, Bishunpur addressing the seminar as Chief Guest, said that it was imperative to focus on farming, to address the problems of unemployment and price raises. "Major challenges faced in rural entrepreneurship are availability of right human resources with good attitudes and taking the products to the market and realize remunerative prices," added Bhagat.

Dr Ashish Hajela, from IIM, Ranchi, who was the key note speaker, exhorted the students to shed fear of failure and have self confidence so that they can become successful entrepreneurs.

Amit Saha, CEO of Akshaya Rolling Mills, Dr Alok Sahay, Director CTRI, Bikas Singh, president, FJCCI, Rajiv Mahajan, Dy GM, NABRAD, Mohita Sahu, Co-chairperson, Sapphire International School, Kavita Yadav, Founder of Padosan Masala, Roshan, CEO of Tribal Fashion Apparels shared their experiences in setting up or promoting new ventures. Dr Viplava Thakur from XISS and Dr Ramesh Sharan from Ranchi University chaired the technical sessions, wherein a number of papers were presented on topics like Rural Entrepreneurship, Women Entrepreneurship and role of technology in entrepreneurship etc.

A book titled 'Unleashing entrepreneurship - opportunities and challenges' was released on the occasion. Best paper awards were given to the presenters of papers and to the students of the University that won in the poster and model competitions.

Addressing the valedictory session, Dhirendra Kumar, Managing Director of Jharcraft highlighted the immense opportunities for rural entrepreneurs in Jharkhand and the contribution of Jharcraft in harnessing the potential.

राष्ट्रीय संगोष्ठी

इक्फाई विवि में उद्यमिता पर कार्यशाला का आयोजन

ग्रामीण उद्यमिता पर केन्द्रित हो ध्यान

संवाददाता

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड द्वारा भारत में उन्मुक्त उद्यमशिलता पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए इक्फाई के कुलपति प्रोफेसर ओआर एस राव ने कहा कि भारतीय इंटरप्रेनेन्स ने विश्व स्तर के संगठनों के निर्माण में अपनी पहचान बनायी है। बावजूद इसके बहुत सारे एन्टरप्रेनेन्स को कई कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। इनमें बैंक, वित्त, बाजार पहुंच, ढाचागत बाधा समेत अन्य समस्याएं शामिल हैं। मौके पर मुख्य अतिथि विकास भारती के सचिव अशोक भगत ने कहा कि ग्रामीण उद्यमिता को लेकर ध्यान केन्द्रीत किया जाना चाहिए, ताकि ग्रामीणों का भलाई हो सके। इसके लिए सही मानव संसाधन की उपलब्धता और मूल्यों का अहसास जरूरी है। मुख्य वक्ता डॉ आशीष हजेला ने कहा कि छात्र अपने अंदर से असफलता के डर को निकालें और अपने अंदर आत्म विश्वास को जगाएं। तभी छात्र सफल उद्यमी बन सकेंगे। कार्यशाला के इस अवसर पर उन्मुक्त उद्यमिता अवसर और चुनौतियां नामक पुस्तक को जारी किया गया। बेस्ट पेपर, पोस्टर तथा मॉडल प्रतियोगिता में जीत हासिल करने वाले छात्रों को विश्वविद्यालय द्वारा पुरस्कृत किया गया। समापन सत्र को संबोधित करते हुए निदेशक झारक्राफ्ट धीरेन्द्र कुमार ने कहा कि राज्य में ग्रामीण उद्यमिता के उपर प्रकाश डालते हुए कहा कि ग्रामीणों के विकास के बिना राज्य का विकास संभव नहीं है। इसके लिए सरकार और झारक्राफ्ट विशेष रूप से ध्यान दे रही है, ताकि शहरों के साथ-साथ ग्रामीणों का भी विकास हो सके। छात्रों को भी अपने समाज के बारे सोचने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अमित शाह सीइओ अक्षय रोलिंग मिल्स, डॉ. आलोक सहाय निदेशक सीटीआरआई, विकास सिंह अध्यक्ष फिक्की, राजीव महाजन डीप्टी जीएम नाबार्ड बैंक, मोहिता साहू सफायी इंटरनेशनल स्कूल, कविता यादव, रौशन सीईओ ट्राईबल फैशन एपरल्स ने भी उद्योगों को बढ़ावा देने में अपने अनुभवों को विस्तार से बताया। कार्यक्रम में एक्सआईएस के शिक्षक डॉ विपलव ठाकुर, रांची विवि के शिक्षक डा. रमेश शरण, प्रो. केके नाग ने भी अपने विचार रखें। सगोष्ठी में विवि के पदाधिकारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

रांची एक्सप्रेस
रांची, बृहस्पतिवार 4 सितम्बर 2014

इक्फाई विवि में राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

'सफल उद्यमी बनने के लिए असफलता से डरें नहीं'

रांची, 3 सितम्बर (रां.ए.सं.) : इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड की ओर से 'भारत में उन्मुक्त उद्यमशीलता : अवसर एवं चुनौतियां' विषय पर आज राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गयी। संगोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि सफल उद्यमी बनने के लिए जरूरी है कि विद्यार्थी असफलता के डर को खुद के सामने फटकने भी नहीं दें और आत्मविश्वास से लबरेज रहें। बेहतर मानव संसाधन की उपलब्धता उद्यमी के सामने हमेशा एक बड़ी चुनौती रही है। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में विकास भारती के सचिव अशोक भगत ने बतौर मुख्य अतिथि अपने विचार व्यक्त किये। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. आशीष हजेला ने कहा कि आत्मविश्वास हो तो सफल उद्यमी बना जा सकता है। इस मौके पर अक्षय रालिंग मिल्स के सीईओ अमित साह, सीटीआरआई के निदेशक डॉ. आलोक सहाय सहित विकास सिंह, राजीव महाजन, मोहित साहू सहित कई अन्य विशिष्ट लोगों ने अपने अनुभव साझा किये। इससे पहले स्वागत भाषण कुलपति प्रो. ओआरएस राव ने किया। उन्होंने कहा कि कई भारतीय उद्यमियों ने विश्वस्तरीय संगठनों के निर्माण में अहम भूमिका निभाई है। बावजूद इसके शुरुआती दौर में उद्यमियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। समापन सत्र में झारक्राफ्ट के प्रबंध निदेशक धीरेन्द्र कुमार ने अपने विचार व्यक्त किये।

राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करते विशिष्टजन। छाया : आसिफ

खबर मन्त्र

8 रांची. गुरुवार, 4 सितंबर. 2014
web www.khabarmantra.com

इक्फाइ विश्वविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी में बोले अशोक भगत

समृद्ध गांव से ही मिलेगी पहचान

संगोष्ठी को संबोधित करते विकास भारती संस्थान के अशोक भगत।

खबर मन्त्र रिपोर्टर

रांची। ग्रामीण उद्यमियों को विकास के मार्ग पर ले जाने के लिए शैक्षिणक संस्थानों के साथ सरकार को योजना बनानी चाहिए। गांव के विकास से ही देश का विकास संभव है। ये बातें बतौर मुख्य अतिथि विकास भारती संस्थान के सचिव अशोक भगत ने इक्फाइ विश्वविद्यालय, झारखंड में बुधवार को राष्ट्रीय संगोष्ठी में कहीं। संगोष्ठी का विषय 'भारत में उन्मुक्त उद्यमशिलता अवसर एवं चुनौतियां' रखा गया था। विवि के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि भारतीय एंटरप्रेनर्स ने विश्व स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बनायी है। अब वक्त आ गया है कि देश के विकास में सभी का सहयोग लेकर एक ऐसी योजना पर काम करें जिसके कारण भारत का चौतरफा विकास हो। सफायर इंटरनेशनल स्कूल की मोहिता साहू ने महिला उद्यमियों की चुनौतियों के बारे में बताते हुए कहा कि किस प्रकार भारत की महिलाएं अपने काम के साथ परिवार की चुनौतियों का सामना करते हुए आगे बढ़ रही हैं। नाबार्ड के राजीव महाजन ने ग्रामीण उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए योजनाओं और चुनौतियों पर चर्चा की। मौके पर 'उन्मुक्त उद्यमिताः अवसर और चुनौतियां' पुस्तक का विमोचन भी किया गया। सीटीआरटी के डॉ अशोक सहाय, एफजेसीसीआइ के विकास सिंह ने भी विचार रखे। मौके पर रजिस्ट्रार डॉ बीएम सिंह, डॉ केके नाग, एक्सआइएसएस के डॉ विप्लव ठाकुर, सेबी के ज्ञानेंद्र नीरज, पड़ोसन मसाल की कविता यादव, सीए ग्रुप रांची के अभिनव साह आदि मौजूद थे।

सन्मार्ग

रांची, गुरुवार, 4 सितंबर 2014
www.sanmargjharkhand.com

ईक्फाई विवि की कार्यशाला में बोले अशोक भगत

मानव संसाधनों की जानकारी जरूरी

संवाददाता

रांची : आज के युवाओं को एक बढ़िया उद्यमी बनने के लिए आस-पास उपलब्ध मानव संसाधन और उसके मूल्यों की पूरी जानकारी जरूरी है। एक सफल उद्यमी के लिए यह बहुत ही जरूरी है। उक्त बातें विकास भारती (गैर सरकारी संगठन) के सचिव अशोक भगत ने ईक्फाई विवि के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होंने ग्रामीण उद्यमशीलता पर और जोर देने की बात की। संस्थान के वीसी ने कहा कि भारत के बहुत से उद्यमियों ने अपनी पहचान अंतरराष्ट्रीय संगठनों के निर्माण में बनाई है। ऑटोमोटिव, आइटी, पेट्रोकेमिकल्स, इस्पात आदि इसके उदाहरण हैं। उद्यमियों को शुरुआत में बैंक वित्त, बाजार पहुंच, ढांचागत बाधाओं आदि का सामना करना पड़ता है। इसे दूर करने का प्रयास होना चाहिए, ताकि उद्यमियों में नई उर्जा का संचार हो। कार्यक्रम में झारक्राफ्ट के प्रबंध निदेशक धीरेंद्र कुमार, ईक्फाई विवि के वीसी प्रो. ओ आर एस राव, आइआइएम रांची के प्रोफेसर डॉ. आशीष हजेला, अमित साहा, आलोक सहाय, बिकास सिंह, राजीव महाजन, मोहिता साहू, डॉ. केके नाग, ईक्फाई विवि के रजिस्ट्रार बीएम् सिंह आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

पुस्तक का हुआ विमोचन

कार्यक्रम की शुरुआत में 'उन्मुक्त उद्यमितः अवसर और चुनौतियां' विषय पर आधारित पुस्तक का विमोचन किया गया। इस अवसर पर अशोक भगत, ओआरएस राव, अमित साहा, आलोक सहाय, बिकास सिन्हा, राजीव महाजन आदि उपस्थित थे।

sokale sokale 03 সকালসকালে

০৩ সকালসকালে রাঁচি, বৃহস্পতিবার, ৪ সেপ্টেম্বর, ২০১৪
email.sokalesokale@gmail.com

আই.সি.এফ.এ.আই বিশ্ববিদ্যালয়

রাঁচি। আজ আই.সি.এফ.এ.আই বিশ্ববিদ্যালয় ঝাড়খন্ড, দ্বারা ভারতে উঠতি শিল্পদ্যোগ এবং এক রাষ্ট্রীয় সংগঠনের আয়োজন করা হয়। যাতে শিল্পপতি, বানিজিক কর্মী, ব্যাঙ্কের শিক্ষাবিদ, এবং ছাত্র -ছাত্রীরা ভাগ নেয়। অংশ গ্রহনকারীদের অভিনন্দন জানান আই.সি.এফ.এ.আই - এর উপাচার্য ও.আর.এস.রাও এবং তিনি বলেন অনেক ভারতীয় এন্টারপ্রেইজ তে বিশ্ব স্তরের সংগঠন তৈরিতে নিজের ভূমিকা দেখিয়েছে। মুখ্য অতিথি ভারতীয় সচীব বিকাশ শ্রী অশোক ভগত সংগঠনকে সম্বোধন করে গ্রামবাসীদের উঠতি শিল্পদ্যোগ সম্বন্ধে আকর্ষীত করান। প্রধান বক্তা ডা. আশিস হজেলা, আই আই এম, রাঁচি তিনি বলেন ছাত্ররা মন থেকে অসফলতার ভয় মন থেকে সরিয়ে দেও এবং আত্মবিশ্বাস রাখুন তবেই একজন সফল মানুষ হওয়া সম্ভব।